بِسۡمِ اللّٰہِ الرَّحۡمٰنِ الرَّحِیۡمِ نَحۡمَدُہٗ وَنُصَلِّیۡ عَلٰی رَسُوۡلِہِ الۡکَرِیۡمِ وَعَلٰی عَبۡدِہِ الۡمَسِیۡحِ الۡمَوۡعُوۡد

Office Of The sadar Majlis Ansarullah Bharat

دفتر صدر مجلس انصار اللہ بھارت

Ph: +91-01872-220186, Fax : +91-01872-224186, Mob. +91-94170-20616, E-Mail : ansarullahbharat@gmail.com

सारांश ख़ुत्बः जुम्अः सैय्यदना हज़रत ख़लीफ़तुल मसीहिल ख़ामिस अय्यदहुल्लाहु तआला बिनसरिहिल अज़ीज़ **28.08.15** मस्जिद बैतुल फ़तूह लंदन।

वास्तविक लाभ तथा फ़ैज़ तो तभी पहुंचता है जब हम इस बात का भी भरसक प्रयास करें कि जो कुछ हमने देखा और सुना है उसे अपना जीवन सुधारने का माध्यम बनाएँ। इस प्रकार इस जलसे (2015) का उपयोग तभी है जब हम अपनी दशाओं को अपनी शिक्षानुसार बनाएँ तथा जो कुछ सुना है उसे अपने ऊपर लागू करें।

तशह्हुद तअव्वुज़ तथा सूरः फ़ातिहः की तिलावत के पश्चात हुज़ूर-ए-अनवर अय्यदहुल्लाहु तआला बिनस्रिहिल अज़ीज़ ने फ़रमाया-

आजकल मुझे विश्व के विभिन्न देशों से पत्र तथा फ़ैक्स आ रहे हैं जिनमें जलसा सालाना के सफल आयोजन पर मुबारकबादें ज़ी होती हैं और इस बात की अभिव्यक्ति भी, कि हमने एम टी ए के सीधे प्रसारण द्वारा जलसा देखा और लाभान्वित हुए और फ़ैज़ तो तभी पहुंचता है जब हम इस बात का भी भरसक प्रयास करें कि जो कुछ हमने देखा और सुना है उसे अपना जीवन सुधारने का माध्यम बनाएँ। आजकल की जो दुनिया है इसकी बहुत अधिक नज़र हम पर हो गई है और अब दुनिया हमारे जलसों में एम टी ए के द्वारा शामिल होती है। अहमदी दुनिया भी और अन्य लोग भी सुनते हैं। विशेष रूप से बर्तानिया के जलसे को बड़ी गहरी नज़र से देखा जाता है। हम लाखों पाउंड एम टी ए के लिए व्यय करते हैं, केवल इस लिए, एक अत्यधिक बड़ा उद्देश्य यह है कि जमाअत का प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन के लक्ष्य को पाने वाला हो, उस तक एक ही समय में संदेश पहुंच रहा हो।

अतः हमारी ख़ुशी और मुबारकबाद, जलसे के सफल आयोजन की, केवल मुबारकबादों तक सीमित न रहे अपितु यहाँ शामिल होने वाले भी तथा विश्व में एम टी ए के द्वारा सुनने वाले भी, उन्होंने जो सुना है देखा है उसकी जुगाली करते रहें, अपने जीवन का अंश बनाएँ तथा ख़ुदा तआला को धन्यवाद करें कि उसने इस भौतिक युग में हमारे सुधार हेतु, हमारे ज्ञान, कर्म तथा आस्था की प्रगति के लिए, उत्तमता के लिए एक सांसारिक भौतिक अविष्कार को हमारे लिए माध्यम बना दिया है। टेलीवीज़न, इन्टरनैट, समाचार पत्र तथा अन्य प्रकाशन के साधन जब हमारे लिए काम कर रहे हों तो एक मोमिन के ईमान में वृद्धि होती है कि आज से चौदह सौ वर्ष पूर्व अल्लाह तआला ने यह शुभ समाचार दिया था कि इस ज़माने में ऐसे अविष्कार होंगे जो दीन के प्रकाशन में सहायक होंगी और हम प्रतिदिन इस भविष्यवाणी को सुन्दर से सुन्दर रंग में पूरा होता देखते हैं। मैं कुछ आगे वर्णन करूंगा कि किस प्रकार अल्लाह तआला यह संदेश पहुंचाता है। अतः हमें इसके लिए अल्लाह तआला के समक्ष झुकते हुए इस बात पर आभार व्यक्त करते चले जाने वाला होना चाहिए कि यह शुक्रगुज़ारी हमें अल्लाह तआला के फ़रमान के अनुसार और अधिक पुरस्कारों एंव प्रगतियों का वरदान देगी। अल्लाह तआला फ़रमाता है कि لئن شکرتم لازیدنکم अर्थात यदि तुम शुक्र करोगे तो तुझें और भी अधिक दूंगा और भी अधिक बढ़ाऊंगा। यह शुक्रगुज़ारी का विषय जहाँ हमें अल्लाह तआला का आभारी होने का रास्ता दिखाता है वहीं बन्दों की शुक्रगुज़ारी की ओर भी ध्यान दिलाता है। आँहज़रत सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम ने फ़रमाया कि जो बन्दों का शुक्र अदा नहीं करता वह ख़ुदा तआला का भी आभारी नहीं होता। अल्लाह तआला ने इन काम करने वालों को तौफ़ीक़ दी कि इन्होंने जलसे की व्यवस्था को सुन्दर बनाने का प्रयास किया। असंख्य विभाग ऐसे हैं जिनमें पुरुषों ने भी तथा महिलाओं ने भी, बूढ़ों ने ज़ी तथा जवानों ने भी, बच्चों ने भी बच्चियों ने भी सेवा की है और जलसे के समूचे प्रबन्ध को अपनी क्षमता एंव सामर्थ्य के अनुसार सुन्दर रंग में पूरा करने के लिए भरसक प्रयास किया है। समस्त स्वयं-सेवी जो विभिन्न विभागों से सम्बंधित होते हैं, कोई किसी कम्पनी में डॉयरैक्टर है तो कोई इंजीनियर, कोई वैज्ञानिक है, व्यवसायी लोग है अथवा मज़दूरी करने वाले, सब एक ही काम करते हैं। फिर समापन का कार्य है जलसे के पश्चात वर्षा आरम्भ हो गई। बड़ी कठिनाई से सामान को एकत्र किया जा रहा है। अभिप्रायः यह है कि प्रत्येक काम ही महत्व पूर्ण है। इस वर्ष कैनेडा के ख़ुद्दाम की एक टीम ने ज़ी अपनी सेवाओं को प्रस्तुत किया कि हम जलसे के लिए काम करना चाहते हैं और बड़े परिश्रम से उन्होंने सेवा की। यू के के ख़ुद्दामुल अहमदिया की टीमों के साथ, हमें कैनेडा की इस टीम का ज़ी, ख़ुद्दाम का भी आभारी होना चाहिए कि उन्होंने हमारी सहायता की।

इस प्रकार ये सब लोग चाहे पुरुष हैं या महिलाएँ हैं, हम सब उनके आज़ारी हैं तथा ये आज़ार के योग्य हैं, अल्लाह तआला इन सबको प्रतिफल प्रदान करे। कार्यकर्ताओं की ओर मैं उन सब मेहमानों को भी धन्यवाद देता हूँ जिन्होंने सहयोग दिया। कुछ एक घटनाओं के अतिरिक्त सामान्यतः कोई शिकायत नहीं आई, एक दो तो शिकायत होती हैं।

इस समय मैं इसी शुक्रगुज़ारी के विषय के सम्बंध में अतिथियों के अनुभव बयान करता हूँ। योगेंडा से मिस्टर विलसन साहब

जो कि मिनिस्टर ऑफ़ जैन्डर हैं, जलसे में शामिल हुए थे। कहते हैं कि मेहमान नवाज़ी, अनुशासन तथा सुरक्षा के प्रबन्ध देखकर बड़ा चकित हुआ कि किस प्रकार लोग स्वयं सेवा भाव से इतना बलिदान कर रहे हैं। वे कहने लगे कि जिस स्तर पर अहमदिया जमाअत काम कर रही है इससे लगता है कि यह जमाअत अगले कुछ वर्षों में दुनिया पर छा जाएगी, इन्शाअल्लाह। फिर उन्होंने कहा कि यदि मैं जलसा सालाना को संक्षेप में बयान करूँ तो सबसे बड़ी बात यही है कि अहमदिया जमाअत मानवता के लिए शांति, प्रेम तथा सद्भावना का महान नमूना है। फ्रैंच गयाना से एक मेहमान जैक बर्थोल साहब जलसे में शामिल हुए थे। श्रीमान, फ्रैंच गयाना न्यायालय के जज हैं तथा देश के बिशप के प्रतिनिधि के रूप में आए थे। ये कहते हैं जब मैं जलसा सालाना में शामिल होने के लिए फ्रैंच गयाना से चला तो मेरी टांग में दर्द था परन्तु जलसे में शामिल होते ही अल्लाह तआला ने चमत्कारी रंग में रोग मुक्ति दी और पूरा जलसा दर्द का नाम व निशान नहीं रहा। तो यह अल्लाह तआला का फ़ज़्ल है कि जलसे की जो बरकतें अहमदियों को पहुंचती हैं उससे अन्य लोग भी लाभान्वित होते हैं।

फिर नाइजेरिया के एक विज़्यात टेलीवीज़न एम आई टी के चेयरमैन अलहाज बिसारी साहब कहते हैं- जलसा सालाना में सम्मिलित होकर मुझे ऐसा अनुभव हुआ कि मैं अरफ़ात के स्थान पर हूँ तथा इमाम की आज्ञा पालन का जो दृश्य मैंने अहमदिया जमाअत के ख़लीफ़ः और इस जमाअत में देखा, वह कहीं नहीं देखा। कोंगू कंशासा से कांस्टी टयूशनल कोर्ट के जज हैं। उन्होंने कहा कि अहमदिया जमाअत की ओर से जिस इस्लाम का मुझे परिचय कराया गया था उसका व्यवहारिक नमूना मैंने जलसे में शामिल होकर देख लिया। वास्तव में सच्चा इस्लाम यही है जो अहमदिया जमाअत प्रस्तुत कर रही है। इस्लाम के इसी संदेश की आज दुनिया को आवश्यकता है। मैं समझता हूँ कि विश्व का भविष्य इसी संदेश से जुड़ा है। सीरालियोन के वाइस प्रेज़ीडैंट भी जलसे में शामिल हुए थे। वे कहते हैं कि अहमदिया जमाअत का सालाना जलसा बड़ा वैभव पूर्ण है तथा समस्त क़ौमों को एक प्लेट फ़ार्म पर एकत्र करने का बड़ा माध्यम है।

मकीनी सीरालियोन के मेयर कहते हैं- तीन दिन आध्यात्म से परिपूर्ण थे तथा मेरे जीवन में महान क्रांति का कारण बने हैं। मैंने कभी लोगों को इस प्रकार एक दूसरे से प्यार करते नहीं देखा। सीरालियोन से डिप्टी मिनिस्टर ऑफ़ स्पोर्टस आए हुए थे। कहते हैं कि जलसा सलाना में मेरा सम्मिलित होना मेरे जीवन का अद्भुत अनुभव था। मैंने आजतक किसी जी धार्मिक अथवा राजनैतिक जलसे में इतनी मेहमानों की मुहब्बत एंव आदर नहीं देखा। बेनिन के नेशनल असज़्बली के डिप्टी स्पीकर एरिक हिन्दे साहब कहते हैं कि सबसे बड़ी बात जो मैंने देखी वह यह थी कि अहमदिया जमाअत के लोग अपने ख़लीफ़ः से बड़ा प्रेम करते हैं। यह चीज़ कहीं और देखने को नहीं मिलेगी। एर्जन्टाईन से एक अहमदी आए थे। वे कहते हैं कि मैंने सच्चे धर्म की खोज में दस साल व्यतीत किए हैं और अन्ततः जमाअत में शामिल होकर मुझे सत्य धर्म मिल गया। जलसा सालाना के प्रबन्धन से मैं बड़ा प्रभावित हुआ हूँ। सबसे अधिक जिस चीज़ ने मुझे प्रभावित किया वह जलसे में युवा पीढ़ी की उपस्थिति थी। मेरे लिए इससे बढ़कर कोई ख़ुशी नहीं कि मैं अर्जन्टाइन का पहला मुसलमान हूँ जिसे अहमदियत क़बूल करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

जापान से एक मेहमान योशोवा मूरा साहब जी पधारे हुए थे। कहते हैं कि जलसा सालाना बर्तानिया, संयुक्त राष्ट्र का नमूना पेश कर रहा था जहाँ हर रंग व नस्ल व क़ौम के लोग एक परिवार की भांति नज़र आ रहे थे। इस रूहानी वातावरण ने मेरे दिल पर एक विशेष प्रभाव किया है। जापान से एक जेवानी मोन्टे भी आए हुए थे, कहते हैं- ये श्रीमान जो हैं, ये मेडिकल सांईस में पी एच डी हैं और टोकियो अंतर्राष्ट्रीय बुक फ़ेयर के अवसर पर इनका जमाअत से संपर्क हुआ था। बुक फ़ेयर के पहले दिन जब इन्हें हज़रत मसीह मौऊद अलैहिस्सलाम की पुस्तक इस्लामी उसूल की फ़लास्फ़ी दी गई तो अगले दिन दोबारा हमारे पास (यह लिखने वाले लिखते हैं हमारे मिश्नरी) आए और कहने लगे कि रात को इस्लामी उसूल की फ़लास्फ़ी का अध्ययन आरज़्भ किया और मेरे लिए कठिन था कि इस किताब को पढ़े बिना ही सो जाता। सुबह तक, जब तक इस किताब का अध्ययन पूरा किया तो मुझे विश्वास हो गया कि इस्लाम एक सत्य धर्म है तथा हक़ व सत्य मार्ग है। श्रीमान जलसा देखकर कहने लगे कि मैं सत्य की खोज में था और मुझे सत्य मिल गया है। इस्लाम अहमदियत से सुन्दर कोई जीवन शैली नहीं है। इस प्रकार श्रीमान जी ने जलसे के तुरन्त बाद अगले दिन ये आए मेरे पास कि उन्होंने बैअत करनी है फिर इनकी वहाँ बैअत हुई थी मस्जिद में।

स्पेन से नैशनल असज़्बली के दो पार्लिमैंट मेज़्बर आए हुए थे, जोस मारिया साहब कहते हैं कि ये तीनों दिन जलसे के प्रोग्राम में सम्मिलित रहे और कई बार इस बात को अभिव्यक्त किया कि इस प्रकार के अनुशासित काम हमारी सरकार नहीं कर सकती जो यहाँ पर स्वयं सेवी कर रहे हैं मैं इस जलसे पर बहुत कुछ सीख कर जा रहा हूँ।

अतः ये स्वयं सेवकों के काम हैं, यह भी एक प्रकार की गुप्त तबलीग़ है जो ये कर रहे होते हैं। फिर एक महिला मेज़्बर पार्लिमैंट जो थीं कहती हैं कि अहमदिया जमाअत घोर परिश्रम कर रही है विश्व में शांति स्थापना के लिए। कहती हैं कि हम आज आपके ख़लीफ़ः को बताना चाहते हैं कि हमारी भी यही अभिलाषा है कि आप लोग जब हमारे देश में आएँ तो उसे अपना घर समझें। फ्रांस के अमीर साहब कहते हैं कि यहाँ एक ही परिवार के पैंतीस लोग सम्मिलित थे जलसे पर इस वर्ष। जिनमें अटठाईस तो अहमदियत क़बूल कर

चुके थे परन्तु उनके माता पिता और एक बेटी तथा उसके तीन बच्चे, उन्होंने अभी अहमदियत क़बूल नहीं की थी। जलसे के दूसरे दिन उन्होंने बताया कि आज मैंने पाँच बार आँहज़रत सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम को देखा। अतः वे तथा उनकी पत्नि इतवार को जो विश्व स्तरीय बैअत हुई है, उसमें शामिल हुए और बैअत करके अब जमाअत में शामिल हो गए। ये कहते हैं कि बैअत के समय उनका पूरा परिवार वहाँ उपस्थित था जो बच्चों की भांति बिलक बिलक कर रो रहा था। यूनान से भी पहली बार प्रतिनिधि मंडल आया हुआ था।

अतः ये बातें जहाँ हर अहमदी को आभारी बनाती हैं वहीं जिनमें छोटी मोटी कमज़ोरियाँ हैं, उनको इन कमज़ोरियों को भी दूर करने का प्रयास करना चाहिए। स्विट्ज़र लैंड से प्रेस और मीडिया से सज़्बंध रखने वाले मेहमान ब्रांसवैल स्लैब बैली साहब शामिल हुए, कहते हैं कि जलसा सालाना के अन्तिम दिन शामिल हुआ। मैं विश्व के विभिन्न आयोजनों में शामिल होता रहता हूँ परन्तु इस प्रकार का आयोजन पहले कभी नहीं देखा। एक ग़ैर अहमदी स्विस ग़ैर मुस्लिम माइकल शैरिन बर्ग शामिल हुए, वे कहते हैं, स्विट्ज़र लैंड के ही हैं, कि सबसे बढ़कर विश्व स्तरीय बैअत का दृश्य था कि किस प्रकार लोग अपनी आस्था तथा ख़लीफ़ः के साथ अपने सज़्बंध को प्रकट कर रहे हैं।

एक नए अहमदी दोस्त हैं, माईटाईकल ऑफ़ बासरो माइकरोनेशिया से आए हुए थे। वहाँ गयारह साल तक मेयर भी रहे हैं यह। कहते हैं कि यह सब कुछ देखने के बाद अब मैं दृढ़ संकल्प लेकर जा रहा हूँ कि अपने परिवार तथा कोसराए (कोसराए जो शहर है इनका) के लोगों को इस्लाम के विषय में अनुचित आपत्तियों को दूर करने का प्रयास करूंगा। जमीका से एक महिला पत्रकार आई हुई थीं, उन्होंने मेरा इन्टरव्यू भी लिया था। कहती हैं कि वहाँ जाकर मैं लिखूंगी अथवा डॉकूमैन्टरी बनाऊंगी, तो इसके द्वारा और अधिक तबलीग़ के रास्ते खुलते हैं। कहती हैं कि मैं वादा करती हूँ कि अब अहमदिया जमाअत की इन शिक्षाओं को जमीका में फैलाने के लिए घोर परिश्रम करूंगी। फ़रमाया- अब ये ईसाई हैं और हमारी तबलीग़ का माध्यम बन रही हैं। पनामा से रोनाल्डो कोचे साहब जलसे पर आए हुए थे, कहते हैं- मैंने यहाँ मुहब्बत प्यार और अमन का ऐसा वातावरण देखा जिसकी मैं कल्पना भी नहीं कर सकता। कहते हैं कि आज के बाद यदि कोई व्यक्ति इस्लाम के विषय में अनुचित विचार धारा पेश करेगा तो मैं उसका भरसक खंडन करूंगा।

क़ाज़िकिस्तान की ताना शुआमा साहिबा हैं, स्टेट विश्वविद्यालय की प्रोफ़ैसर हैं तथा न्यू यार्क अकैडमी की मेज़्बर भी हैं। 2000 ई0 में इनको लेडी ऑफ़ वर्ल्ड के रूप में चुना गया था, अपने अनुभव बयान करती हैं कि अपने 75 वर्षीय जीवन में विश्व के अनेक स्थान देख चुकी हूँ परन्तु प्रेम तथा मानव की वास्तविक रंग में सहायता करना केवल यहाँ ही देखा है। एक विद्यार्थी गोएटे माला से आई थीं। कहती हैं कि जलसे में शामिल होना मेरे लिए अत्यधिक प्रसन्नता का अनुभव था। इस जलसे के रूहानी वातावरण ने मेरे भविष्य के जीवन को सुधारने का मार्ग दर्शन किया है। क्रोशिया से 28 लागों का प्रतिनिधि मंडल आया हुआ था तथा क्रोशियन राष्ट्रीय राज्य सभा के मेज़्बर पार्लिमैंट भी थे उसमें शामिल, पांडैक्स साहब। कहते हैं- मेरा किसी भी मुसलमान संगठन के इज्तिमा में शामिल होने का यह पहला अवसर था। फिर यह अन्तिम तक़रीर भी उन्होंने सुनी। कहते हैं- आपने जलसे में मुझे आमन्त्रित करके बड़ा उपकार किया और कहते हैं- जलसे के बीच ही मैंने अहमदिया जमाअत में शामिल होने का दृढ़ निश्चय कर लिया था। अतः श्रीमान जी ने विश्व स्तरीय बैअत के अवसर पर बैअत भी कर ली। पॉल सैंगर डयूस जो ब्रिटिश रॉयल एअर फ़ोर्स में ग्रूप कैप्टिन हैं। कहते हैं- मैं इस बात को अवश्य व्यक्त करना चाहता हूँ कि अब तक मैंने सैंकड़ों ऐसे प्रोग्राम देखे हैं, परन्तु ऐसा व्यवस्थित प्रोग्राम कभी नहीं देखा। आयवरी कोस्ट से दो मेज़्बर पार्लिमैंट आए हुए थे। कहते हैं- क्वा कोको क्वातरा साहब उनमें से एक थे। कहते हैं- मेरे जीवन के महत्व पूर्ण पलों में से एक है। मैं कई वर्षों से अहमदी हूँ परन्तु इस प्रकार का रूहानी वातावरण पहली बार देखा है। मैं अहमदी तो पहले ही से था परन्तु जलसा सालाना में शामिल होकर मेरा ईमान और भी मज़बूत हो गया है।

ब्रिटिश सोसाइटी ऑफ़ टयूरन शराउड नयूज़ लेटर के एडीटर हाफ़रे साहब कहते हैं- यह भी टयूरेन शराउड के विशेषज्ञों में से हैं, कि मैंने आज तक जितने फ़ोरम पर मसीह के कफ़न के संदर्भ में बात चीत की है उनमें सर्वोत्तम फ़ोरम यह था। प्रेस और मीडिया की मैंने बात की थी, अल्लाह तआला के फ़ज़्ल से इस साल प्रेस मीडिया के द्वारा जलसे की बड़ी चर्चा हुई है विस्तृत रूप में और इसके लिए हमें अल्लाह तआला के समक्ष झुकना चाहिए कि अल्लाह तआला ने किस प्रकार पैग़ाम पहुंचाया। जलसे के समाचार और वीडियो कलिप्स, टेलीवीज़न और ऑन लाईन वीडियो के सात विभिन्न प्रोग्रामों के द्वारा सामूहिक रूप से 3.3 मिलयन लोगों तक पहुंची है ख़बर। रेडियो के 34 प्रोग्राज़्स के द्वारा 2.79 मिलयन लोगों तक पैग़ाम पहुंचे। प्रिन्ट और ऑन लाईन मीडिया के 14 विभिन्न फ़ोरम के द्वारा 7.7 मिलयन लोगों तक पैग़ाम पहुंचा और सोशल मीडिया में 1195 शामिल होने वालों के द्वारा जलसे का पैग़ाम 5 मिलयन लोगों तक पहुंचा। इस प्रकार उपरोक्त फ़ोरम के द्वारा कुल 12.63 मिलयन लोगों तक जलसे की कारवाई, समाचार, चित्र तथा वीडियो कलिप्स पहुंचे और अफ़्रीक़ा के अतिरिक्त ऐसे देश जहाँ जलसे के सज़्बंध में मीडिया क्वरेज मिली है उनमें बर्तानिया, स्काट लैंड, वेल्ज़, आयर लैंड, यू एस ए, कैनेडा, पाकिस्तान, इंडिया, फ्रांस, जमेका, बोलोया, यूनान और बेलीज़ शामिल हैं। सबसे महत्व पूर्ण चैनल्स में बी बी सी न्यूज़ 24 शामिल है जिस पर जलसे का समाचार तीन बार प्रसारित हुआ, यह भी पहली बार ही हुआ है। आरज़्भिक रूप से इस चैनल एक बार समाचार प्रसारित करने की अनुमति दी गई थी फिर बाद में और अधिक समाचार प्रसारित करने की अनुमति दी गई। इन्टर नैशनल न्यूज़

एजेंसी फ्रांस ए एफ़ पी ने भी जलसे का समाचार प्रसारित किया। ए एफ़ पी ने वीडियो रिपोर्ट भी जारी की जो कि बाद में यू एस ए, यू के तथा इंडिया में दर्जनों समाचारों की वैब साईट पर प्रसारित की गईं। इनमें याहू न्यूज़, एम बी सी न्यूज़, एम एस एन न्यूज़ शामिल हैं।

फिर रेडियो क्वरेज 34 रेडियो इन्टर व्यूज़ बी बी सी के तीन नैशनल रेडियो स्टेशनज़, 24 रेडियो स्टेशनज़ और दो लोकल रेडियो स्टेशनज़ पर प्रसारित हुए। इनमें चार रेडियो बी बी सी फ़ोर भी शामिल हैं जो कि बर्तानिया का सर्वाधिक सुना जाने वाला रेडियो स्टेशन है। इस पर बीस मिन्ट का लज्ना इन्टर व्यू प्रसारित किया गया। इसके अतिरिक्त बी बी सी स्काट लैंड और बी बी सी रेडियो एशियन नैट वर्क शामिल हैं। बी बी सी रेडियो स्टेशन नैट वर्क पर एक घन्टे से अधिक समय का इन्टर व्यू प्रसारित किया गया। 33 रेडियो स्टेशनज़ के द्वारा कुल 2.79 मिलयन लोगों तक पैग़ाम पहुंचा। उनमें से कम से कम दो इन्टर व्यूज़ का आरज़्भ जो था, वे एक पत्र कार बी बी सी की थीं, केरोइन वाईट, उन्होंने मेरे से इन्टर व्यू लिया था, इसको उन्होंने प्रसारित किया। जिस पर यहाँ के मुस्लिम संगठनों की ओर बड़ा शोर पड़ा है कि हमें एकत्र हो जाना चाहिए, हम एकत्र होकर मुसलमानों का प्रतिनिधित्व करेंगे। आफ़किन्टन पोस्ट ने भी दो निबन्ध प्रकाशित किए, इसी प्रकार और बहुत से हैं। सोशल मीडिया ट्वीटर के द्वारा यह पैग़ाम पहुंचता रहा। यह जो है केन्द्रीय रिपोर्ट है इसके अतिरिक्त यू के के प्रेस मीडिया के द्वारा मेरा विचार है दो तीन मिलयन तक तो अवश्य यह पैग़ाम पहुंचा होगा।

अफ्रीका के देशों में राष्ट्रीय टी वी जलसा सालाना का सीधे प्रसारण देते रहे जिनमें घाना, नाइजेरिया, सीरालेयोन, यूगेंडा तथा कोंगो कंशासा शामिल हैं। हदीक़तुल मेहदी से सीधे प्रसारण हुआ। घाना के एक दोस्त नाना वैस्कोतो साहब ने फ़ोन करके बताया कि मैं ईसाई धर्म से हूँ लेकिन आपके जलसे का सीधा प्रसारण देखकर मुझ पर भावनात्मक दशा छाई हुई है, मेरा आँसू रोकना कठिन हो गया था, इसमें कोई संदेह नहीं कि इस समय इस्लाम के प्रतिनिधित्व में अहमदिया जमाअत सबसे आगे है मेरी दुआ है कि मैं आपकी जमाअत का मुबल्लिग़ बनकर अहमदिया जमाअत का पैग़ाम फैलाऊँ। टमाला घाना से एक महिला हुमादातो साहिबा ने कहा कि मैंने घाना टी वी के द्वारा अहमदिया जमाअत का जलसा देखा है और यह जलसा देख कर मैं बड़ी प्रभावित हुई हूँ। मैं मुसलमान तो हूँ परन्तु अहमदिया जमाअत का प्रसारण देखकर मैं अहमदी मुसलमान होना चाहती हूँ। सीरालियोन में अल्लाह तआला के फ़ज़्ल से सीरालियोन के नैशनल टी वी, एस एल बी सी एस पर जलसा सलाना की 36 घन्टे की कार्यवाही सीधे प्रसारित की गईं। कोंगो कंशासा में ज़ी चार बड़े बड़े नगरों में जलसे का प्रसारण दिखाया गया इन नगरों में से दो में मेरा अन्तिम सज़्बोधन प्रसारित किया गया जबकि दो नगरों में जलसे की सज़्पूर्ण कार्यवाही लाईव प्रसारित की गई। एक दोस्त ने कहा कि टी वी पर आपका जलसा देखा और बड़ी प्रसन्नता हुई कि दुनिया में एक ऐसा अस्तित्व भी है जो इतनी प्यारी शिक्षाएँ दे रहा है। अफ्रीक़ा के देशों में रेडियोज़ पर जलसा सालाना की क्वरेज जो हुई है माली में जमाअत के पन्द्रह रेडियो स्टेशनज़ के द्वारा जलसा सालाना की तीनों दिन की कार्यवाही लाईव प्रसारित हुई। इस प्रकार वहां लगभग 10 मिलयन लोगों ने जलसा सालाना यू के की लाईव कार्यवाही अपनी भाषाओं में सुनी।

इसी प्रकार बर्कीना फ़ासो में चार रेडियो स्टेशनज़ पर जलसा सालाना की तीन दिन की कार्यवाही पूरी हुई इसके भी बड़े श्रोता हैं। इसी प्रकार सीरालियोन में कार्यवाही प्रसारित हुई। तो यह मिलयन्ज़ लोगों तक अल्लाह तआला की कृपा से इस बार जलसे का संदेश पहुंचा। अल्लाह के फ़ज़्ल से प्रेस और मीडिया टीम ने भी बड़ा अच्छा काम किया तथा एम टी ए ने भी इसके लिए बड़ा विशेष काम किया विशेष रूप से वे जो अफ्रीक़ा के इंचार्ज बनाए गए हैं उन्होंने बड़ा काम किया है इस सज़्बंध में, अल्लाह तआला उनको भी प्रतिफल प्रदान करे।

अतः अल्लाह तआला के फ़ज़्ल से जमाअत का परिचय इस जलसे के द्वारा बड़ा विस्तृत हुआ है तथा उनमें जैसा कि मैंने कहा बहुत से काम करने वाली शामिल हैं, एम टी ए के भी और प्रेस सैक्शन में भी और प्रेस सैक्शन में काम करने वाले यू के के नौजवान हैं जो काम कर रहे हैं, अपनी भूमिका निभा रहे हैं अल्लाह तआला उनकी क्षमताओं में वृद्धि करे और उजागर करे।

ख़ुत्बः जुज़्अः के अन्त में हुज़ूर-ए-अनवर ने सय्यदा फ़रीदा साहिबा पत्नि मुकर्रम मिर्ज़ा रफ़ीक़ अहमद साहब, जिनका तीन दिन पहले निधन हुआ था, उनकी पारिवारिक परिस्थितियाँ, शुभ लक्षण तथा सेवाओं का वर्णन फ़रमाया। मरहूमा हज़रत मुस्लेह मौऊद रज़ीअल्लाहु अन्हु की बहू थीं। अल्लाह तआला मरहूमा से दया का व्यवहार फ़रमाए तथा उनके बच्चों की भी सुरक्षा व सहायता करे।

Khulasa Khutba-e-Juma, Huzoor-e-Anwer Ayyadahullhu Ta'la 28.08.2015

सैय्यदना हुज़ूर अनवर की मंज़ूरी से मजलिस अन्सारुल्लाह भारत दिनांक 25 जौलाई से 15 अक्तूबर 2015 तक अपनी डायमंड जुबली मना रही है

BOOK-POST (PRINTED MATTER)

TO,.....

.....

From; *Office Ansarullah Bharat, Aiwan-e-Ansar, Moh; Ahmadiyya,Qadian-143516Via; Batala, Dist; Gurdaspur (Pb)*